म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

प्रारंभिक अंग्रेज़ी

रचनात्मक कलाओं सें अंग्रेज़ी सिखाएं

भारत में विद्यालय
समर्थित शिक्षक-शिक्षा
www.TESS-India.edu.in

CC BY SA
http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid
from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेवसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE11v2
Madhya Pradesh
तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है*: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3*
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई में कला, शिल्प और नाटक के द्वारा अंग्रेज़ी सिखाने के कुछ तरीकों पर चर्चा की गई है।

रचनात्मक कलाओं के माध्यम से अंग्रेज़ी सीखना मज़ेदार और रोचक हो सकता है। सभी आयु-वर्गों के विद्यार्थियो को वस्तुएँ बनाना और सक्रिय रहना अच्छा लगता है। कला, शिल्प और नाटक की गतिविधियों में अंग्रेज़ी को शामिल करने से विद्यार्थियो को अंग्रेज़ी में अपनी बात कहने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इस तरह की गतिविधियों में आप विद्यार्थियो के साथ अपने खुद के भाषा-संबंधी कौशल का अभ्यास और विकास भी कर सकते हैं।

इस इकाई में यह सुझाव दिया गया है कि अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक कैसे भाषा को सीखने की गतिविधियों को मज़बूत बनाने और इसका विस्तार करने वाली रचनात्मक गतिविधियों के लिए एक संसाधन हो सकती है।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी भाषा सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए कला और शिल्प का उपयोग करना।
- अंग्रेज़ी भाषा सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए नाटक और वार्तालाप-गतिविधि का उपयोग करना।
- पाठ्यपुस्तक के पाठों से कला, शिल्प और नाटक की गतिविधियाँ विकसित करना।

1 अंग्रेज़ी भाषा सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए कला और शिल्प का उपयोग करना

रचनात्मक कला के पाठ विद्यार्थियो के लिए उपयोगी होते हैं और उन्हें सक्रिय बनाते हैं। इस सत्र में सीखी और उपयोग की जाने वाली भाषा यादगार हो सकती है। पहले केस–स्टडी में, शिक्षिका इस बात पर ध्यान देती हैं कि *विद्यार्थी* सामान्यतः कला और शिल्प के पाठों में भाषा का उपयोग किस प्रकार करते हैं,और वे इन गतिविधियों में अंग्रेज़ी को शामिल करन तय करती हैं।

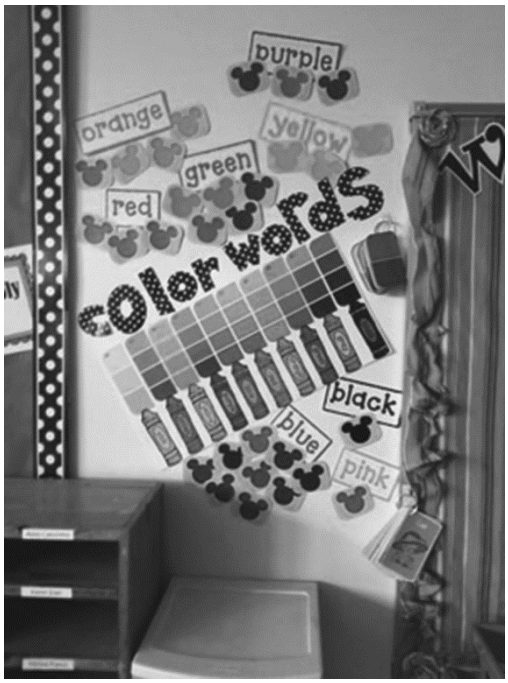

कला और शिल्प के पाठों में भाषा।

> केस–स्टडी 1: श्रीमती पूजा मौखिक अंग्रेज़ी को विकसित करने के लिए कला का उपयोग करती हैं
>
> *कक्षा पाँच की नई शिक्षिका श्रीमती पूजा अंग्रेज़ी में अध्यापन के बारे में बहुत ज्यादा आत्मविश्वासी नहीं थी। अपने सेवा-पूर्व शिक्षक प्रशिक्षण में उन्होंने हिन्दी अध्यापन किया था, लेकिन अंग्रेज़ी अध्यापन नहीं चुना था।*

जब मेने आकलन किया तो पता चला कि कक्षा 1 से बहुत कम विद्यार्थियो ने अंग्रेज़ी सीखी थी। मैंने अपने सेवा-पूर्व प्रशिक्षण के बारे में सोचा,जब मैंने विद्यार्थियो को कला और शिल्प गतिविधियों के दौरान हिन्दी सीखते हुए देखा था। मैंने अंग्रेज़ी पाठों के लिए भी यही रणनीति आजमाकर देखना तय किया।

अपनी अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से मैंने एक कहानी चुनी जिसमें कई अलग अलग जानवरों के पात्र थे। मैंने अपने विद्यार्थियो से उस कहानी के जानवरों के मुखौटे और पोशाक बनाने को कहा।

इससे पहले कि *विद्यार्थी* अपने मुखौटे और पोशाकें बनाना शुरू करते मैंने ब्लैकबोर्ड पर अंग्रेज़ी में कुछ शब्द लिखें:

- Art words: ‘colour’, ‘cut’, ‘paste’, ‘material’, ‘paint’, ‘draw’, ‘shape’.
- Animals: ‘monkey’, ‘tiger’, ‘deer’, ‘pig’, ‘frog’, ‘fish’.
- Adjectives: ‘old’, ‘young’, ‘small’, ‘big’, ‘bright’, ‘dark’, ‘brown’, ‘orange’, ‘black’, ‘green’, ‘striped’, ‘slippery’, ‘shiny’.

मैंने विद्यार्थियो से मेरे बाद उन शब्दों को अंग्रेज़ी में दोहराने को कहा। मैंने पाठ्यपुस्तक के चित्रों और मेरे स्वयं के हावभावों का उपयोग करके यह सुनिश्चित किया कि वे समझ गए हैं।

जब *विद्यार्थी* अपने मुखौटे और पोशाकें बना रहे थे, तो मैंने उन्हें प्रोत्साहित किया कि मेरे साथ और एक-दूसरे के साथ वे जितना ज्यादा हो सके,अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करें। जब वे काम कर रहे थे,तो मैंने भी सुझाव देने, सहमति या असहमति जताने और वर्णन करने के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग किया। उदाहरण के लिए:

- ‘Try this …’
- ‘That’s a good idea!’
- ‘Is it hard or soft?’
- ‘What colour is this?’
- ‘Please give him/her the paint.’
- ‘It’s very beautiful!’
- ‘I like it very much!’
- ‘Do you like it?’
- ‘Show me … Show [other student’s name].’

यदि मेरे विद्यार्थी अंग्रेज़ी में कोई शब्द या वाक्य नहीं समझ पाते थे,तो मैं अपनी बात को हिन्दी में दोहराती थी। मैंने विद्यार्थियो को प्रोत्साहित किया कि वे मुखौटे और पोशाकें बनाते समय मेरे साथ और एक-दूसरे के साथ अंग्रेज़ी वाक्यों का अभ्यास करें। यह मेरी अपनी अंग्रेज़ी के लिए भी अच्छा अभ्यास करने जैसा था।

कला पाठ के अंत में,मैंने विद्यार्थियो से कहा कि वे अपनी कॉपी में अंग्रेज़ी में शब्द और वाक्य लिखकर अपने मुखौटों और पोशाकों का वर्णन करें। उदाहरण के लिए:

- ‘My mask is red and orange. It is a lion.’
- ‘My costume is shiny and green. I am a crocodile.

उनकी कॉपियां जाँचते समय मैंने देखा कि सभी विद्यार्थियो ने लिखने की कोशिश की थी, जिनमें वह विद्यार्थी भी शामिल था, जिसके डिस्लेक्सिया-ग्रस्त होने का निदान हुआ था।

विचार कीजिए

- श्रीमती पूजा ने इस बात का अवलोकन किया था कि विद्यार्थियो के लिए क्या कारगर होगा और अपने अवलोकनों के आधार पर अपना अभ्यास बनाया था। क्या आपको लगता है कि कला और शिल्प के पाठ में विद्यार्थियो की अंग्रेज़ी का आंकलन करने के लिए श्रीमती पूजा को अच्छा मौका मिला था?
- आपके अनुसार श्रीमती पूजा के विद्यार्थी लेखन या प्रदर्शन के सन्दर्भ में अपने मुखौटों और पोशाकों से और क्या कर सकते थे?
- कला और शिल्प के पाठ में विद्यार्थी आपसे और एक-दूसरे से किस तरह बात करते हैं? क्या वे प्रश्न पूछते हैं, निर्देशों का पालन करते हैं और अपनी योजनाओं व अपने कार्य के परिणामों का वर्णन करते हैं? क्या वे विशेष शब्दावली का उपयोग करते हैं? आप इसका उपयोग अंग्रेज़ी भाषा के अध्यापन के लिए किस प्रकार कर सकते हैं?

कला और शिल्प के पाठों में सभी विद्यार्थियो को शामिल करने की संभावना होती है,जिनमें सीखने की मंद गति वाले विद्यार्थी भी शामिल हैं। इस इकाई के शेष भाग में आपको ऐसी गतिविधियाँ दी गई हैं,जिनका उपयोग आप अंग्रेज़ी भाषा सिखाने और सीखने के लिए कला और शिल्प के साथ कर सकते हैं।

पाठों में चर्चा और आपसी बातचीत के महत्व के बारे में अधिक जानकारी के लिए संसाधन 1 ''सोचने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न करना '' को देखें।

गतिविधि 1: आपकी पाठ्यपुस्तक, कला और शिल्प – एक योजना गतिविधि
अपनी अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से कोई पाठ चुनें – यह कोई कहानी, कविता या वर्णन हो सकता है। अन्य शिक्षकों के साथ मिलकर इस बारे में अपने विचार लिखें कि कला और शिल्प की कौन-सी गतिविधियाँ इस पाठ में शामिल की जा सकती हैं। आप कला, शिल्प और नाटक के शिक्षक से इस बारे में सलाह ले सकते हैं। निम्नलिखित में से कुछ विचार इसमें शामिल हो सकते हैं: • पात्रों के लिए कठपुतलियाँ, मुखौटे या पोशाकें बनाना • दृश्यों या पात्रों के चित्र बनाना या उनमें रंग भरना • मिट्टी के नमूने बनाना या इमारतों या पर्यावरण का निर्माण करना • कहानी पर अभिनय करने के लिए रिसाइकिल की गई सामग्री से वस्तुएँ बनाना • दृश्यावली या भित्तिचित्र के लिए एक बड़ा चित्र बनाना • एक कोलाज बनाना • बुनाई करना। अब इनमें से किसी कला या शिल्प स्वरूप को अंग्रेज़ी पाठ का विस्तार करने के लिए चुनें। उन अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों के बारे में सोचें,जिनका उपयोग विद्यार्थियो के साथ इस गतिविधि के लिए किया जा सकता है। इनमें निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं: • कला और कार्य-विशिष्ट भाषा, उदाहरण के लिए 'cut', 'paste', 'paper', 'paint', 'draw', 'clay' … • वर्णनात्मक भाषा, उदाहरण के लिए 'bright', 'dark', 'red', 'blue', 'beautiful' … • निर्देशात्मक भाषा और निर्देश, उदाहरण के लिए 'watch', 'look', 'first', 'next', 'now you need to', 'slowly', 'carefully'… • मूल्यांकन करने वाली टिप्पणियाँ, उदाहरण के लिए 'Do you like it?', 'What do you think?', 'Is it nice?' … आप इस पाठ में जिन अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करेंगे,उन्हें लिखें। इन शब्दों और वाक्यों का अभ्यास करें। आप विद्यार्थियो से इस पाठ में जिन अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करवाना चाहते हैं,उन्हें लिखें। अपने विचारों के बारे में अन्य शिक्षकों या अपने प्रधानाध्यापक के साथ चर्चा करें।

गतिविधि 2 में,आप उस पाठ को कार्यान्वित करेंगे,जिसकी आपने योजना बनाई है।

गतिविधि 2: कला या शिल्प के पाठ में अंग्रेज़ी का उपयोग

विद्यार्थियो को बताएँ कि आप उनसे कला या शिल्प गतिविधि में अंग्रेज़ी का उपयोग करने की उम्मीद करते हैं। सामग्रियों और साधनों पर अंग्रेज़ी में लेबल लगाएँ। विद्यार्थियो को समूह में काम करते समय उपयोग करने के लिए सरल वाक्य सिखाएँ, जैसे:

- 'Please give me _____?'
- 'Will you please pass the _____?'
- 'May I take _____?'

निर्देश अंग्रेज़ी में दें और अंग्रेज़ी में ही दोहराएँ। केस–स्टडी 1 की शिक्षिका के समान ही,आप अपने थ्वद्यार्थियो से जिस अंग्रेज़ी का उपयोग करवाना चाहते हैं,उसका नमूना उन्हें दें। वर्णन करने, प्रशंसा करने और प्रश्न पूछने के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करें। जब विद्यार्थी काम कर रहे हों,तो कक्षा का चक्कर लगाएँ और उनके द्वारा उपयोग की जा रही अंग्रेज़ी पर ध्यान दें करें और उनकी सहायता करें।

आप अंग्रेज़ी का उपयोग करने की थ्वद्यार्थियो की कोशिश का आंकलन कर सकते हैं। सारणी 1 में दर्शाई गई सरल जाँच-सूची का उपयोग करें।

सारणी 1 विद्यार्थियों के अंग्रेज़ी उपयोग की जाँच-सूची।

विद्यार्थी का नाम	अंग्रेज़ी का उपयोग अक्सर करता है	अंग्रेज़ी का उपयोग कभी-कभार करता है	अभी तक अंग्रेज़ी के उपयोग की कोशिश नहीं की है

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे कला या शिल्प पाठ में जो अंग्रेज़ी सीखते हैं, उसका वे उपयोग करें। इससे अलग अलग उद्देश्यों के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करने का उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

2 कला, बातचीत और लेखन

अब अपने लिए इन गतिविधियों को आजमाएँ।

गतिविधि 3: कला, बातचीत और लेखन

कला से भाषा सीखने और भाषा का अभ्यास करने की गति बढ़ सकती है। कक्षा छः के विद्यार्थियो द्वारा बनाई गई ये दो पेंटिंग देखें। शिक्षक ने विद्यार्थियो से अपनी पेंटिंग का वर्णन करने को कहा। शिक्षक ने ये वर्णन हिन्दी और अंग्रेज़ी भाषा में लिखकर इन चित्रों के साथ लगाने के लिए हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में पैराग्राफ लिखे। विद्यार्थियो ने अपने भाषा पाठ में इन परिच्छेदों को पढ़ने का अभ्यास किया।

इसके बाद शिक्षक ने,सुनकर लिखे गए इन वर्णनों का उपयोग करके निम्नलिखित पठन और लेखन गतिविधि तैयार की। इसे खुद भी आज़माकर देखें।

इस पेंटिंग को देखें [चित्र 2]।

चित्र **1** कक्षा छः के विद्यार्थी द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

बॉक्स में दिए गए शब्दों के द्वारा खाली स्थान भरें।

On the right side _____ a man is standing near a big bin. On the _____ there is a woman. She _____ doing some work. There are children playing _____ their parents. The house _____ it belongs to this family. By the river _____ many trees. The sky _____ and the trees _____.

seems to be	left side	looks like	there is
is blue	are green	near	there are

अब दूसरी पेंटिंग को देखें [चित्र 3]।

चित्र **2** कक्षा छः के विद्यार्थी द्वारा बनाई गई एक अन्य पेंटिंग।

चित्र के बारे में अंग्रेज़ी में एक छोटा-सा पैराग्राफ लिखें और उसे ऊंची आवाज़ में पढ़कर सुनाएँ।

अब इस पैराग्राफ में खाली छोड़ने के लिए कुछ शब्द और वाक्यांश चुनें तथा उन्हें अपने लेखन में चिह्नित करें।

आप छोटी या बड़ी कक्षाओं के लिए इस गतिविधि को कैसे प्रयोग में लायेगें?

गतिविधि 4: कला, बातचीत और लेखन – एक योजना गतिविधि

पिछली गतिविधि का उपयोग एक मार्गदर्शिका के रूप में करते हुए, विद्यार्थियो द्वारा बनाई गई पेंटिंग का उपयोग करके एक अभ्यास विकसित करें,जिससे विद्यार्थियो को अंग्रेज़ी भाषा-संबंधी कौशल का विकास करने में मदद मिल सके। यदि आपके पास आपके विद्यार्थियो द्वारा बनाए गए चित्र नहीं हैं,तो आप पत्रिकाओं, अख़बारों या कैटलॉग के चित्रों का उपयोग कर सकते हैं।

यह गतिविधि लागू करने के लिए आपको जिन चरणों की ज़रुरत होगी,उनकी सूची बनाएँ।

क्या आप इसे एक पाठ में पूरा करेंगे या दो पाठों में?

अब अपने विद्यार्थियो के साथ यह गतिविधि कार्यान्वित करें। क्या उन्हें इसमें मज़ा आता है? क्या सभी विद्यार्थियो ने इसमें भाग लिया? क्या आपने किसी ऐसे विद्यार्थी पर ध्यान दिया, जिसने भाग नहीं लिया था?

इस तरह की कला गतिविधि विद्यार्थियो को अंग्रेज़ी में बोलने और लिखने के लिए प्रोत्साहित करती है। ऐसी गतिविधियों से आपके विद्यार्थियो को उनके बीच होने वाली दादागिरी और सामाजिक भेदभाव के बारे में मधुर भाषा में बोलने और लिखने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए,एक शिक्षक विद्यार्थियो के चित्रों का उपयोग करके बड़े पैमाने पर महिलाओं के रसोईघर में काम करते हुए और पुरुषों को अखबार पढ़ते हुए दिखाकर लिंग-आधारित रुढ़िवाद के बारे में सोचने की प्रेरणा दे सकते हैं।

3 अंग्रेज़ी भाषा सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए नाटक और रोलप्ले का उपयोग करना

नाटक की गतिविधियों से भी विद्यार्थियो को अंग्रेज़ी बोलने और इसका अभ्यास करने का प्रोत्साहन मिलता है। भाषा की पाठ्यपुस्तक के पाठ को नाटक के रूप में प्रस्तुत करना अंग्रेज़ी सिखाने की एक बहुत अच्छी विधि है। आपके मन में इस बारे में झिझक हो सकती है क्योंकि शायद आपके पास नाटक या थिएटर का कोई प्रशिक्षण नहीं है। लेकिन कक्षा में नाटक का उपयोग करने के लिए आपको इसका विशेषज्ञ होना ज़रूरी नहीं है, जैसा कि आप अगले केस–स्टडी में देखेंगे।

केस–स्टडी 2: श्रीमती शालिनी पाठ्यपुस्तक से एक नाटक तैयार करती हैं

श्रीमती शालिनी कक्षा चार की शिक्षिका हैं।

मैंने एक लड़के के बारे में एक छोटा और सरल पाठ चुना,जिसमें वह एक के बाद एक अपने मित्रों के सामने डींग हांकता है कि वह अपना तीर कितनी दूर तक मार सकता है। मैंने इसे चुना क्योंकि इसमें पहले से ही पात्र और संवाद तैयार थे,और विद्यार्थी इसे अच्छी तरह जानते थे।

पहले मैंने अंग्रेज़ी में कहानी सुनाई, और इसमें उन शब्दों पर ध्यान केंद्रित किया,जिन्हें विद्यार्थी पहले से जानते थे, जैसे 'friend', 'laughing', 'mine', 'lucky' और 'quietly'। मैंने विद्यार्थियो को प्रोत्साहित किया कि जब मैं कहानी सुना रही थी,तब वे भी मेरे साथ जुड़ें।

इसके बाद मैंने विद्यार्थियो को बताया कि उन्हें इस कहानी पर आधारित एक नाटक करना है। विद्यार्थी बहुत रोमांचित थे क्योंकि उन्होंने इससे पहले कभी कोई नाटक नहीं किया था।

मैंने उन्हें समझाया कि इसमें हर विद्यार्थी के लिए एक भूमिका होगी। मैंने कुछ नए पात्र बनाए थे: उस लड़के के लिए ज्यादा दोस्त, एक राजा और एक रानी। मैंने विद्यार्थियो से उनके विचार मांगे,और उन्होंने सुझाव दिया कि इसमें एक डॉक्टर, एक शिक्षक, एक राजकुमारी, एक फिल्म स्टार और एक राक्षस के पात्र भी होने चाहिए।

मैंने विद्यार्थियो की जोड़ियाँ बनाई और उन्हें कहा कि वे जितनी ज्यादा अंग्रेज़ी का उपयोग कर सकते हों,वह करके अपनी भूमिकाओं के संवादों में सुधार करें। विद्यार्थियो ने अलग अलग शब्दों और वाक्यांशों को आज़माकर देखा। मैं यह सुनकर चकित रह गई कि वे अंग्रेज़ी के उन शब्दों का उपयोग भी कर रहे थे,जो उन्हें कक्षा में सिखाए नहीं गए थे। उदाहरण के लिए, विद्यार्थियो की एक जोड़ी ने कहानी के पात्रों से यह संवाद विकसित किया था:

- 'That is very bad! Such a small way!'
- 'No! Look! Watch me, I will do better!'

कुछ विद्यार्थियो में अंग्रेज़ी में अपने संवाद विकसित कर पाने के बारे में आत्मविश्वास की कमी थी। मैंने उनसे उनके विचारों को अंग्रेज़ी में व्यक्त करने के अलग अलग तरीकों के बारे में हिन्दी और अंग्रेज़ी में चर्चा की।

जब विद्यार्थियो ने अपने संवादों का अभ्यास कर लिया था और वे इससे खुश थे,तो मैंने सभी से कहा कि वे अधिक अभिव्यक्ति और हावभावों के साथ अपने संवादों को बोलने का अभ्यास करें। मैंने एकदम सही उच्चारण पर ज़ोर नहीं दिया। जब विद्यार्थी अभ्यास कर रहे थे,तो मैं उनके अंग्रेज़ी के उपयोग और आत्मविश्वास का अवलोकन करने में सक्षम हो सकी। मुझे उनकी प्रगति के बारे में टिप्पणियाँ लिखने का समय मिला।

चूंकि यह एक ज्यादा विद्यार्थियों वाली कक्षा थी,इसलिए मैंने दो समूह बनाने का निर्णय किया,ताकि एक समूह दूसरे के लिए दर्शक बने और दूसरा समूह पहले वाले समूह के लिए दर्शक बने। यह उनके सुनने के कौशल के लिए अच्छा था।

वीडियो: जोड़ी में किये गये कार्य का उपयोग करना

गतिविधि 5: एक पाठ को संवाद में बदलना – एक योजना गतिविधि
अपनी पाठ्यपुस्तक से,एक अध्याय चुनें,जिसमें पात्र हैं और जिसे आप एक संवाद में बदल सकते हैं। आप कोई ऐसा अध्याय भी ढूँढ सकते हैं, जिसमें पहले से ही संवाद और पात्र मौजूद हैं। अपने पाठ की योजना बनाएँ और इन प्रश्नों से मदद लें: • इस अध्याय में कितने पात्र हैं? • क्या आपको ज्यादा पात्र बनाने की ज़रुरत पड़ेगी, ताकि सभी विद्यार्थियो को इसमें भूमिका मिल सके? • आप ज्यादा पात्र बनाने में विद्यार्थियो को किस तरह शामिल कर सकते हैं? • क्या आपको किसी भी अध्याय को संवाद के स्वरूप में बदलने के लिए इसे फिर से लिखना पड़ेगा? • आप इन संवादों को विकसित करने में विद्यार्थियो को किस प्रकार शामिल कर सकते हैं? • आपके अनुसार किन शब्दों या वाक्यांशों को समझना और उच्चारण करना कठिन है? आप और आपके विद्यार्थी इनका अभ्यास किस प्रकार करेंगे? • आप कक्षा को किस प्रकार क्यवस्थित करेंगे, ताकि सभी विद्यार्थी भाग लेने में सक्षम हो सकें? अपने सहकर्मियों से बात करें कि आप अपनी योजना किस तरह कार्यान्वित कर सकते हैं।

'नाटक' का अर्थ यह नहीं है कि यह बिल्कुल थिएटर जैसा प्रदर्शन होना चाहिए। भाषा के एक पाठ में,नाटक के द्वारा विद्यार्थियो और शिक्षकों को बातचीत को विकसित करने, संवाद तैयार करने और भूमिकाओं से परिचित होकर तथा उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके उनका अभ्यास करने में मदद मिलती है।

विद्यार्थि आपके प्रोत्साहन और नकल के द्वारा भूमिका अदा करके अंग्रेज़ी को विकसित कर सकते हैं। भूमिका अदा करने में,आप विद्यार्थियो को काल्पनिक,लेकिन फिर भी परिचित परिस्थितियों में अंग्रेज़ी का उपयोग करने की प्रेरणा देते हैं। अगले केस–स्टडी में इसका प्रदर्शन किया गया है।

केस–स्टडी 3: श्रीमति सपना भूमिका अदा करने का परिचय देती हैं

श्रीमती सपना कक्षा चार की शिक्षिका हैं। विद्यार्थी कक्षा एक में अंग्रेज़ी सीखना शुरू करते हैं, लेकिन जब सपना की कक्षा में पहुँचते हैं, तब तक भी आमतौर पर वे अंग्रेज़ी नहीं बोल सकते।

मैं एक मज़ेदार गतिविधि विकसित करना चाहती थी, जिसके द्वारा *विद्यार्थी*एक दूसरे के साथ अंग्रेज़ी का अभ्यास कर सकें। मेरी कक्षा के चारों कोनों में मैंने एक छोटा डेस्क रखा। मैंने प्रत्येक डेस्क पर अंग्रेज़ी में एक संकेत लगाया:

- Doctor's Office
- Garage
- Ticket Office
- School

मैंने विद्यार्थियो से पूछा: इन स्थानों पर क्या होता है? यहाँ कौन काम करता है? वे क्या बोलते हैं? क्या वे अंग्रेज़ी में कुछ बोलते हैं? क्या वे अंग्रेज़ी में कुछ लिखते हैं? उनके पास उनके जीवन के अनुभवों से ढेर सारे विचार थे क्योंकि हमारे समुदाय के बहुत-से लोग कार्य के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करते हैं।

मैंने उन्हें दिखाया कि मैं विद्यार्थियो से इन भागों का उपयोग किस तरह करवाना चाहती थी। मैं 'Doctor Sapna' बनी। मैंने डेस्क पर बैठ गई और विद्यार्थियो से कहा कि वे अपने अपॉइंटमेंट का इंतज़ार करें। मैंने एक *विद्यार्थी* को डेस्क पर बुलाया। मैंने उससे पूछा: 'Are you sick? What is your problem?। will give you some medicine. You must take it three times a day.' *विद्यार्थी* को जितना ज्यादा संभव हो, मेरी बात का उत्तर अंग्रेज़ी में देना था।

मैंने विद्यार्थियो को चार समूहों में रखा,जिनमें से प्रत्येक समूह भूमिका अदा करने के एक क्षेत्र के लिए था। मैंने एक *विद्यार्थी* को प्रत्येक समूह का प्रभारी बनाया और उसे यह सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी दी कि प्रत्येक को बोलने का और मुख्य भूमिका निभाने का मौक़ा मिले।

शुरू करने के लिए,मैंने सहयोगियों से कहा कि सबसे पहले वे प्रत्येक क्षेत्र में भूमिका अदा करें। मैंने बाकी लोगों को उनकी नकल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मैंने प्रत्येक समूह की मदद की और गतिविधि की निगरानी की। 'school' क्षेत्र को देखना बहुत ही अद्भुत था,क्योंकि *विद्यार्थी* उसमें मेरी ही भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे थे! मैंने विद्यार्थियो को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया और उनके शब्द उन्हें फिर से सुनाए,ताकि वे खुद को अंग्रेज़ी का उपयोग करते हुए सुन सकें।

गतिविधि 6: रोलप्ले – एक योजना गतिविधि
अपनी कक्षा में भूमिका अदा करने का एक क्षेत्र तैयार करें। आप केस–स्टडी 3 के उदाहरणों का उपयोग कर सकते हैं या यह कोई फलों की दुकान, हेल्थ क्लिनिक या बस स्टैंड हो सकता है। उन अंग्रेज़ी शब्दों या वाक्यों को तय करने,जो आप इन परिस्थितियों में विद्यार्थियो को सिखाना चाहते हैं। इन स्थानों के बारे में अपने विद्यार्थियो से बात करें। उनमें लोग एक-दूसरे से क्या कहते हैं? उस भाषा का नमूना बताएँ,जिसे आप अपने विद्यार्थियो से उपयोग करवाना चाहते हैं। इन मुख्य शब्दों और वाक्यांशों को बोर्ड पर या किसी पोस्टर में लिखना एक अच्छा विचार है। छोटे विद्यार्थियो के लिए आप शब्द के आगे चित्र भी बना सकते हैं ताकि उन्हें शब्द सीखने में मदद मिले। इसके बाद अपने विद्यार्थियो से उस परिस्थिति का अभिनय करने को कहें। जब आप इन क्षेत्रों में विद्यार्थियो का निरीक्षण करते हैं,तो इस बात पर ध्यान दीजिए कि क्या कोई ऐसे *विद्यार्थी* हैं,जो अंग्रेज़ी बेहतर ढंग से बोलते हैं। क्या वे कम आत्मविश्वास वाले विद्यार्थियो की मदद कर रहे हैं? आप ऐसे विद्यार्थियो का मूल्यांकन भी कर सकते हैं, जो दिखाते हैं कि वे समझ गए हैं,लेकिन अभी तक सिर हिलाकर, निर्देशों का पालन करके या 'yes' या 'no' के लिए एक शब्द में उत्तर देकर बात नहीं करते। यदि आपके पास एक मोबाइल फोन है,तो इन विद्यार्थियो का वीडियो रिकॉर्ड करें और उन्हें दिखाएँ।

4 सारांश

हम आशा करते हैं कि यह इकाई आपको पसंद आई होगी और इससे आपको अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से कला, शिल्प और नाटक को एकीकृत करने के कुछ विचार और आत्मविश्वास मिला होगा।

क्यों न आप कुछ ऐसी कल्पनाशील और रोचक गतिविधियों की योजना बनाएँ जिनके द्वारा आप अपने विद्यार्थियो के साथ मिलकर अंग्रेज़ी का अभ्यास कर सकें? जब *विद्यार्थी* कला, शिल्प और नाटक के साथ अंग्रेज़ी सीखते हैं, तो आप उनके कार्य की प्रस्तुति या प्रदर्शन स्कूल के सामने या अभिभावकों के सामने कर सकतेहैं।

इस विषय पर अन्य आरंभिक अंग्रेजी भाषा अध्यापक विकास इकाइयाँ हैं:

- *पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक उपयोग*
- *गीत, कविताएँ और शब्द खेल*
- *पाठ की योजना तैयार करना*
- *अंग्रेज़ी और विषय सामग्री एकीकरण*
- *अंग्रेज़ी के लिए सामुदायिक संसाधन।*

संसाधन

संसाधन 1: सोचने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न करना

शिक्षक अपने विद्यार्थियो से हर समय प्रश्न पूछते है। प्रश्नों का तात्पर्य होता है कि शिक्षक सीखने, और अधिक सीखने में अपने विद्यार्थियो की मदद कर सकें। एक अध्ययन (हैस्टिंग्ज, 2003) के अनुसार,शिक्षक औसत रूप से अपना एक तिहाई समय विद्यार्थियो से प्रश्न पूछने में बिताते हैं। पूछे गए प्रश्नों में से,60 प्रतिशत ने तथ्यों का स्मरण दिलवाया और 20 प्रतिशत प्रक्रियागत थे (हैटी, 2012)। इन प्रश्नों के अधिकांश उत्तर या तो सही थे या गलत। लेकिन क्या ऐसे प्रश्न पूछने भर से, जो या तो सही हैं या गलत, सीखने को बढ़ावा मिलता है?

प्रश्न कई अलग-अलग प्रकार के होते हैं जो विद्यार्थियो से पूछे जा सकते हैं। शिक्षक जो उत्तर और परिणाम चाहता है,उसी के अनुसार तय होता है कि शिक्षक को किस प्रकार के प्रश्नों का उपयोग करना चाहिए। शिक्षक विद्यार्थियो से आमतौर पर इसलिए प्रश्न पूछते हैं ताकि:

- जब कोई नया विषय या सामग्री प्रस्तुत की जाती है, तब उसे समझने की दिशा में विद्यार्थियो का मार्गदर्शन कर सकें
- और अधिक चिंतन करने के लिए *विद्यार्थी* के ऊपर जोर डाल सकें
- त्रुटि सुधार सकें
- विद्यार्थियो में कसावट ला सकें
- समझ की जांच-परख कर सकें।

प्रश्न पूछने का उपयोग आमतौर पर यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि *विद्यार्थी* क्या जानते है। इसलिए उनकी प्रगति के आकलन के लिए यह महत्वपूर्ण है। प्रश्नों का उपयोग प्रेरित करने, विद्यार्थियो के विचार-कौशल को बढ़ाने और जिज्ञासु मस्तिष्क विकसित करने के लिए भी किया जा सकता है। इन्हें दो वृहद श्रेणियों में बांटा जा सकता है:

- निचले स्तर के प्रश्न, जो तथ्यों और पहले से सीखे हुए ज्ञान का स्मरण करवाते हैं। ये प्रायः बंद प्रश्न होते हैं (उत्तर हां या ना में)।
- उच्च स्तर के प्रश्न, जो अधिक चिंतन की मांग करते हैं। ये विद्यार्थियो को एक उत्तर तैयार करने के लिए या तार्किक ढंग से एक दलील का समर्थन
  करने के लिए पहले से सीखी गई जानकारियों को एकत्रित करने के लिए कहते हैं। उच्चतर दर्जे के प्रश्न प्रायः अधिक खुले होते हैं।

खुले प्रश्न विद्यार्थियो को पाठ्यपुस्तक-आधारित, शाब्दिक उत्तरों से आगे जाकर सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, इस तरह उत्तरों की एक श्रृंखला सामने लाते हैं। ये विषयवस्तु के बारे में विद्यार्थियो की समझ का आकलन करने में भी शिक्षक की मदद करते हैं।

विद्यार्थियो को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना

अनेक शिक्षक प्रश्न के उत्तर की मांग करने से पहले एक सेकंड से भी कम समय देते हैं और इसलिए अक्सर या तो स्वयं ही प्रश्न का उत्तर दे देते हैं या प्रश्न को दूसरे शब्दों में रख देते हैं (हैस्टिंग्ज, 2003)। विद्यार्थियो के पास केवल प्रतिक्रिया करने का समय होता है - सोचने का समय नहीं

होता! यदि आप उत्तर की अपेक्षा करने से पहले चंद सेकंड प्रतीक्षा कर लें, तो विद्यार्थियो को सोचने का समय मिल जाएगा। इसका विद्यार्थियो की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रश्न पूछने के बाद प्रतीक्षा करने से बढ़ती है:

- विद्यार्थियो के उत्तरों की लंबाई
- उत्तर देने वाले विद्यार्थियो की संख्या
- विद्यार्थियो का बारंबार प्रश्न पूछना
- कम समर्थ विद्यार्थियो के उत्तरों की संख्या
- विद्यार्थियो के बीच आपस में सकारात्मक संवाद

आपकी प्रतिक्रया का महत्व है

आप दिए जाने वाले उत्तरों को जितने अधिक सकारात्मक ढंग से ग्रहण करेंगे, *विद्यार्थी* उतना ही अधिक सोचने का प्रयास जारी रखेंगे। गलत उत्तरों और गलत धारणाओं में सुधार सुनिश्चित करने के कई तरीके हैं और यदि एक *विद्यार्थी* के मन में त्रुटिपूर्ण विचार है तो आप यकीन कर सकते हैं कि कई और के मन में भी होगा। आप नीचे लिखे प्रयास कर सकते हैं:

- उत्तरों के उन अंशों को चुनकर निकालिए जो सही हैं और मददगार ढंग से उस *विद्यार्थी* को अपने उत्तर के बारे थोड़ा और सोचने के लिए कहें। यह ज्यादा सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और अपनी गलतियों से सीखने में आपके विद्यार्थियो की मदद करता है। नीचे लिखी टिप्पणी दर्शाती है कि एक गलत उत्तर पर आप मददगार ढंग से प्रतिक्रिया किस प्रकार दे सकते हैं: 'भाप से बादल बनते हैं यह तो तुमने सही कहा, लेकिन बारिश के बारे में तुमने जो कहा उसके बारे में मुझे लगता है हमें कुछ और खोजबीन की जरूरत है। क्या कोई और कुछ विचार दे सकता है?'
- विद्यार्थियो द्वारा दिए गए सभी उत्तरों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें, और फिर विद्यार्थियो से उन सबके बारे में सोचने के लिए कहें। आपकी राय में कौन से उत्तर सही हैं? कौन से उत्तरों में से दिए जा रहे दूसरे उत्तर निकले सकते हैं? इससे आपको यह समझने का मौका मिलता है कि आपके *विद्यार्थी* किस ढंग से सोच रहे हैं और आपके थ्वद्यार्थियो को अपनी गलत धारणाओं को, जो उनके मन में रही हो सकती हैं, भयभीत हुए बगैर सुधारने का मौका मिलता है।

सभी उत्तरों को ध्यानपूर्वक सुनकर और थ्वद्यार्थियो को और अधिक समझाने के लिए कहकर सम्मान दें। यदि आप सभी उत्तरों को, चाहे वे सहीं हों या गलत, और अधिक समझाने के लिए कहेंगे, तो कोई गलती होने पर *विद्यार्थी* स्वयं ही उसे सुधार लेंगे। इस तरह आप एक सोचने वाली कक्षा का विकास करेंगे और आप वास्तव में जान सकेंगे कि आपके विद्यार्थियो ने क्या सीखा है और इससे आगे कैसे बढ़ना है। यदि गलत उत्तरों के परिणामस्वरूप अपमान और दंड मिलता है, तो आपके *विद्यार्थी* और भी शर्मिंदगी तथा उपहास का पात्र बनने के भय से कोशिश करना बंद कर देंगे।

उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना

यह महत्वपूर्ण है कि आप प्रश्न पूछने के ऐसे अनुक्रम का पालन करने का प्रयत्न करें, जो सही उत्तरों के साथ समाप्त न होता हो। सही उत्तरों का पुरस्कार ऐसे फॉलो-अप प्रश्नों के रूप में देना चाहिए जो ज्ञान को बढ़ाएं और विद्यार्थियो को शिक्षक के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करें। आप ऐसा यह पूछकर कर सकते हैं:

- एक *कैसे* या एक *क्यों*
- उत्तर देने का कोई और तरीका
- एक बेहतर शब्द
- उत्तर की पुष्टि करने के लिए प्रमाण
- एक संबंधित कौशल से जोड़ना
- एक नए विन्यास में समान कौशल या तर्क को लागू करना।

अपने उत्तर के बारे में और अधिक गहराई तक जाकर सोचने में विद्यार्थियो की मदद करना (और इस तरह उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना) आपकी भूमिका का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नीचे लिखे कौशल विद्यार्थियो की और अधिक उपलब्धि प्राप्त करने में मदद करेंगे:

- अनुबोधन (Prompting) में संकेत देने की आवश्यकता होती है - ऐसे संकेत जो विद्यार्थियो को उनके उत्तरों को विकसित करने और बेहतर बनाने में मदद करें। आप पहले यह बताना चुन सकते हैं कि उत्तर में क्या सही है और फिर जानकारी, आगे के प्रश्न और अन्य संकेत दे सकते हैं। ('तो अगर तुम कागज के अपने हवाई जहाज के आखिर में वजन रखो तो क्या होगा?')

- खोजपूर्ण/प्रश्न (Probling) में और अधिक जानने का प्रयास किया जाता है, *विद्यार्थी* जो कहना चाह रहे हैं उसे स्पष्ट करने में उनकी मदद की जाती है, ताकिअव्यवस्थित उत्तर को या आंशिक रूप से सही उत्तर को सुधारा जा सके। ('तो यह आपस में कैसे जुड़ता है इसके बारे में तुम मुझे और क्या बता सकते हो?')
- पुर्नसंक्रेंद्रण (Refocusing) या फिर से ध्यान केंद्रित करने में सही उत्तरों को आगे बढ़ाया जाता है, ताकि विद्यार्थियो के ज्ञान को उनके द्वारा पूर्व में सीखे गए ज्ञान से जोड़ा जा सके। यह उनकी समझ को विकसित करता है। ('तुमने जो कहा सही है, लेकिन पिछले हफ्ते अपने स्थानीय पर्यावरण के विषय में हम जो देख रहे थे उससे यह कैसे जुड़ता है?')
- अनुक्रमण (Sequencing) का अर्थ है प्रश्नों को एक ऐसे क्रम में पूछना, जो चिंतन को आगे बढ़ाने के लिए बनाया गया हो। प्रश्नों को इस तरह क्रमबद्ध होना चाहिए कि विद्यार्थियो को संक्षेपण करने, तुलना करने, व्याख्या करने या विश्लेषण करने की ओर ले जाएँ। प्रश्न ऐसे तैयार करें जिनसे विद्यार्थियो को मस्तिष्क पर जोर डालना पड़े, लेकिन उन्हें इस हद तक भी चुनौती न दें कि वे प्रश्नों का अर्थ ही गंवा बैठें। 'जरा बताओ तो तुम अपनी पहले वाली समस्या से कैसे उबरे। उससे क्या फर्क पड़ा? तुम्हें क्या लगता है कि अपनी अगली समस्या से निपटने के लिए तुम्हें क्या चाहिए?')
- सुनना यानी ध्यानपूर्वक सुनकर आप न सिर्फ उस उत्तर की तलाश कर पाते हैं जिसकी आप अपेक्षा कर रहे हैं, बल्कि असाधारण या अभिनव उत्तरों के प्रति भी सचेत होते हैं, जिनकी अपेक्षा आपने नहीं की हो सकती है। इससे यह भी प्रदर्शित होता है कि आप विद्यार्थियो
- की विचारशीलता को महत्व देते हैं और इससे उनके अधिक विचारपूर्ण उत्तर देने की संभावना बढ़ जाती है। इस प्रकार के उत्तर उन भ्रांतियों पर रोशनी डाल सकते हैं जिन्हें सुधारने की जरूरत होती है, अथवा वे एक नया तरीका दखिा सकते हैं जिस पर आपने विचार न किया हो। ('मैंने तो इस बारे में सोचा ही नहीं। मुझे और बताओ तुम इस ढंग से क्यों सोच रहे हो।')

शिक्षक के नाते, यदि आपको अपने विद्यार्थियो से रोचक और आविष्कारक उत्तर निकलवाने हैं, तो आपको प्रेरक और चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछने होंगे। आपको उन्हें सोचने के लिए समय देना होगा और आप आश्चर्य में पड़ जाएंगे कि आपके *विद्यार्थी* कितना अधिक जानते हैं और उनके सीखने को आगे बढ़ाने में आप कितनी भलीभाँति मदद कर सकते हैं।

याद रखिए, प्रश्न पूछने का संबंध उससे नहीं है जो शिक्षक जानता है, बल्कि उससे है जो विद्यार्थी जानते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आपको कभी भी स्वयं अपने प्रश्नों का उत्तर नहीं देना चाहिए! आखिरकार, यदि *विद्यार्थी* जानते हैं कि कुछ सेकंड की खामोशी के बाद प्रश्नों का उत्तर आप उन्हें दे ही देंगे, तो उत्तर देने के लिए उनका प्रोत्साहन भला क्या है?

अतिरिक्त संसाधन

- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Amritavalli, R. (2007) *English in Deprived Circumstances: Maximising Learner Autonomy*. Department of Linguistics, The English and Foreign Languages University, University Publishing Online: Foundation Books.

Cummins, J. (undated) 'BICS and CALP' (online), Jim Cummins' Second Language Learning and Literacy Development Web. Available from: http://iteachilearn.org/cummins/bicscalp.html (accessed 2 July 2014).

Cummins, J. (2000) *Language, Power, and Pedagogy: Bilingual Children in the Crossfire*. Bristol: Multilingual Matters.

Gibbons, P. (2002) *Scaffolding Language, Scaffolding Learning: Teaching Second Language Learners in the Mainstream Classroom*. Portsmouth: Heinemann.

Hastings, S. (2003) 'Questioning', *TES Newspaper*, 4 July. Available from: http://www.tes.co.uk/article.aspx?storycode=381755 (accessed 22 September 2014).

Hattie, J. (2012) *Visible Learning for Teachers: Maximising the Impact on Learning*. Abingdon: Routledge.

Krashen, S. (1981) *Second Language Acquisition and Second Language Learning*. Oxford: Pergamon Press.

Krashen, S. (1982) *Principles and Practice in Second Language Acquisition*. Oxford: Pergamon Press.

Mohan, B. (1986) *Language and Content*. Reading, MA: Addison-Wesley.

Mohan, B., Leung, C. and Davison, C. (eds) (2001) *English as a Second Language in the Mainstream: Teaching, Learning and Identity*. New York, NY: Longman.

Wells, G. (2003) 'Children talk their way into literacy', published as 'Los niños se alfabetizan hablando' in García, J.R. (ed.) *Enseñar a escribir sin prisas … pero con sentido*. Sevilla, Spain: Publicaciones MCEP. Available from: http://people.ucsc.edu/~gwells/Files/Papers_Folder/Talk-Literacy.pdf (accessed 8 July 2014).

Wells, G. (2009) *The Meaning Makers: Learning to Talk and Talking to Learn*, 2nd edn. Bristol: Multilingual Matters.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा लाइसेंस के अंतर्गत ही इस प्रोजेक्ट में उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons Licence से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि यह सामग्री अपरिवर्तित रूप से केवल TESS-India प्रोजेक्ट में ही उपयोग की जा सकती है और यह किसी अनुवर्ती OER संस्करणों में उपयोग नहीं की जा सकती। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतारूपी आभार किया जाता है:

चित्र 1 और 2: http://www.childrensbooktrust.com (Figures 1 and 2: http://www.childrensbooktrust.com)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियो के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।